प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा के सोलहवें सत्र में आप सभी का हार्दिक अभिनन्दन। कुल पाँच कार्य दिवसों वाले इस सत्र में राज्य सरकार इस वित्तीय वर्ष का एक अनुपूरक बजट पेश करेगी। इसके साथ ही कई राजकीय विधेयकों के पारण की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। यद्‌यपि यह एक छोटा सत्र होगा, फिर भी आप सभी को प्रश्न,ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सहित शून्यकाल की सूचनाओं के अधीन अपने–अपने क्षेत्र सहित राज्यव्यापी ज्वलंत समस्याओं को सरकार के संज्ञान में लाने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। मैं समझता हूँ कि सत्र के दौरान उपलब्ध अवधि के एक–एक पल का सार्थक उपयोग आप करेंगे।

आप विदित हैं कि सत्रहवीं लोक सभा के लिए सम्पन्न चुनाव के परिणामों की घोषणा के उपरान्त भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एतद् विषयक अधिसूचना 25 मई,2019 को जारी कर दी गयी। वर्ष 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की राष्ट्रीय राजनीति में जो बयार आयी थी वह 2019 के लोक सभा चुनाव में और तीव्र हुई है। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने अकेले 303 सीटें जीत कर देश की राजनीति के सफर में एक नये मील के पत्थर को स्थापित किया है। इसी के साथ इस बात का मैं विशेष रूप में उल्लेख करना चाहता हूँ कि हमारे ही बीच के दो सहयोगी इस लोक सभा के लिए चुन लिए गए हैं। श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी और श्रीमती गीता कोड़ा क्रमशः आजसू और कॉग्रेस प्रत्याशी के रूप में गिरिडीह और सिंहभूम निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित होने में कामयाब हुए। मैं इस सदन के माध्यम से इन दोनों को भी हार्दिक बधाई और शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ। इसके साथ ही झारखण्ड से शेष 12 नव निर्वाचित सांसदों को भी मंगलकामना प्रेषित करता हूँ। आज के अवसर पर मैं इस बात का उल्लेख भी करना चाहता हूँ कि लोक सभा चुनाव के साथ–साथ देश के चार राज्य विधान सभाओं के लिए भी आम–निर्वाचन सम्पन्न हुए। ये हैं तेलांगना, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश और उड़ीसा। इन राज्यों में क्रमशः तेलांगना राष्ट्रीय समिति,सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा, वाई.एस.आर. कॉग्रेस और बीजू जनता दल ने पूर्ण बहुमत प्राप्त कर अपनी सरकारें गठित की हैं। आप लोगों की ओर से और इस पवित्र सदन के माध्यम से मैं इन सभी राज्य विधान सभा के निर्वाचित विधायकों और सरकारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनायें देता हूँ। मैं कामना करता हूँ कि यहाँ के निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के मतदाताओं की अपेक्षाओं पर खरे उतरें और अपने राज्यों को बुलंदी के सर्वोच्च शिखर पर ले जाने में कामयाबी हासिल करें।

मैं आप सबों के बीच इस तथ्य का उल्लेख भी करना चाहता हूँ कि इस वर्ष संथाली भाषा में साहित्य रचना के लिए प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार श्री गुहीराम किस्कू और इसी भाषा के बाल साहित्य

पुरस्कार के लिए श्री लक्ष्मण चन्द सोरेन को नामित किया गया है। मैं इन दोनो साहित्यकारों की उपलब्धि के लिए बधाई देता हूँ और यह कामना भी करता हूँ कि इनका साहित्यिक यश और भी ज्यादा प्रखरता से फैले।

सभा का यह मानसून सत्र है। पवित्र सावन मास की फुहारों के बीच बैद्यनाथ धाम की पवित्र कॉवड़ यात्रा आरंभ हो चुकी है। देश–विदेश के लाखों श्रद्धालुओं द्वारा बिहार के सुल्तान गंज से झारखण्ड के देवघर और बासुकीनाथ की सैकड़ों मील लम्बी तीर्थ–यात्रा के पथिकों के लिए हम जहाँ मंगलकामना करते हैं वहीं इस बात के लिए माननीय मुख्य मंत्री श्री रघुवर दास जी को बधाई भी देना चाहते हैं कि बिहार और झारखण्ड, दो राज्यों की इस विश्वप्रसिद्ध तीर्थ यात्रा को पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध तारापीठ से जोड़कर तीनों राज्यों का एक तीर्थ यात्रा सर्किट विकसित करने की परिकल्पना इन्होने प्रस्तुत करके बड़ा ही सराहनीय कार्य किया है। मैं समझता हूँ कि आने वाले दिनों में यह परिकल्पना साकार होगी और इससे न केवल लाखों श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, वरन् रोजगार सृजन की दिशा में भी यह एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

मैं एक और बात का उल्लेख यहॉ करना चाहता हूँ कि माननीय श्री राम चन्द्र सहिस जी जो पहले हमलोगों के बीच में मात्र एक सदस्य की हैसियत से उपस्थित रहते थे, अब इस सभा में राज्य सरकार के मंत्री के रूप में नियुक्त होकर हमारे बीच मौजूद हैं। उन्होने राज्य मंत्रिमंडल में श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी जी के रिक्त स्थान पर नियुक्ति पायी है। इस प्रकार अब वे एक नयी भूमिका में है। इस नयी भूमिका के लिए मैं उन्हें शुभकामना देता हूँ।

मैं आज के अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की एक महत्वपूर्ण पहल को भी आप सबों के बीच उद्धृत करना चाहता हूँ । चूँकि यह मानसून सत्र है, इसलिए आज इसकी यहाँ चर्चा प्रासंगिक भी है। वर्षा के मौसम की लगभग आधी अवधि समाप्त हो चुकी है और पूरे झारखण्ड में औसत से कम वर्षा हुई है। कृषि की बात एक ओर राज्य के कई इलाकों को पेयजल की समस्या से बुरी तरह जूझना पड़ा है। मैं यह नहीं कहता कि यह केवल अपने राज्य की समस्या है। यद्यपि यह समस्या राष्ट्रव्यापी है तथापि आज के जल संकट को देखते हुए हमें भविष्य के लिए सचेत होने की आवश्यकता है। वस्तुतः ‘‘ जल है,तो कल है’’ की पुरानी कहावत हमें आसन्न खतरे की ओर आग्रह कर रही है। हमें वर्षा जल संरक्षण के लिए गंभीरता से सोचना होगा। मैं सरकार के साथ तमाम माननीय सदस्यों से इस दिशा में समुचित प्रयास करने का आग्रह करता हूँ। हम राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के जन्म के डेढ़ सौवें वर्ष के कालखण्ड से गुजर रहे हैं। उनके आगामी जन्म दिवस 02 अक्टूबर,2019 को एक विशिष्ट समारोह के रूप में मनाने की योजना की रूपरेखा भारत सरकार के स्तर पर तय की जा रही है।

बापू ने लगभग पूरे देश का भ्रमण अपनी पदयात्रा के क्रम में किया था। उसी के स्मरण में माननीय प्रधान मंत्री जी ने अगामी गाँधी जयन्ती से लेकर लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस की अवधि में डेढ़ सौ किलो मीटर पदयात्रा का अनुरोध सभी संसद सदस्यों से किया है। मैं चाहता हूँ कि ऐसी ही कोई पहल अपने राज्य में भी सरकार के स्तर से की जाए, ताकि जनता से जुड़ने का ज्यादा अवसर माननीय विधान सभा सदस्यों का भी मिले।

यहाँ मैं एक बात का और उल्लेख करना चाहता हूँ जो संसदीय व्यवस्था के कार्यवरण में इससे जुड़े लोगों की अभिरूचि के क्षरण को दर्शाता है। प्रायः सभा के प्रत्येक सत्र के पहले विधायक दल के नेताओं की बैठक की परम्परा संसद के साथ–साथ विधान सभा में भी रही है। मुझे इस बात का दुःख है कि ऐसी बैठकों में माननीय नेताओं की उपस्थिति लगातार घट रही है। सत्र के पूर्व बुलाई गयी इस तरह की बैठक में मात्र तीन सदस्यों की उपस्थिति गंभीर चिन्ता का विषय है। विधान सभा के प्रति यह उपेक्षा लोकतंत्र को कौन सी दिशा देगी। इसे देखना हम सभी का दायित्व है।

माननीय सदस्यगण, इस विधान सभा के कार्यकाल की दृष्टि मे यदि देखें तो यह शायद हमारा अंतिम औपचारिक सत्र होगा। विधान सभा का नया भवन अब लगभग पूर्ण होने की स्थिति मे है। मैं समझता हूँ कि अब हम अपने नये भवन और नवीन परिसर मे ही मिलेंगे। नई उम्मीद और नयी आकांक्षा के साथ हम नये परिवेश मे चलें। झारखण्ड को नवीन और बेहत्तर ऊँचाईयों पर नयी उर्जा के साथ ले चलें, यही हमारी कामना है। मैं एक बार फिर आप लोगों से गुजारिश करता हूँ कि इस सत्र का यदि सार्थक उपयोग हम कर सके तो हमारे लिए यह बड़ी उपलब्धि की बात होगी।

धन्यवाद ।